जलोढ़ प्रदेश :- नदियों द्वारा लाये गये द्वारा निर्मित मैदान

- खादर प्रदेश
  - नवीन जलोढ़ मृदा का मैदान
  - नई प्रतिवर्ष बाढ़ आती है।
- बांगर प्रदेश
  - पुरानी जलोढ़ मृदा का मैदान
  - कृषि कार्य सिंचाई के माध्यम से किया जाता है तथा अधिक सिंचाई के कारण रेह/कल्लर की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जिसका उपचार करने हेतु जिप्सम का प्रयोग किया जाता है।

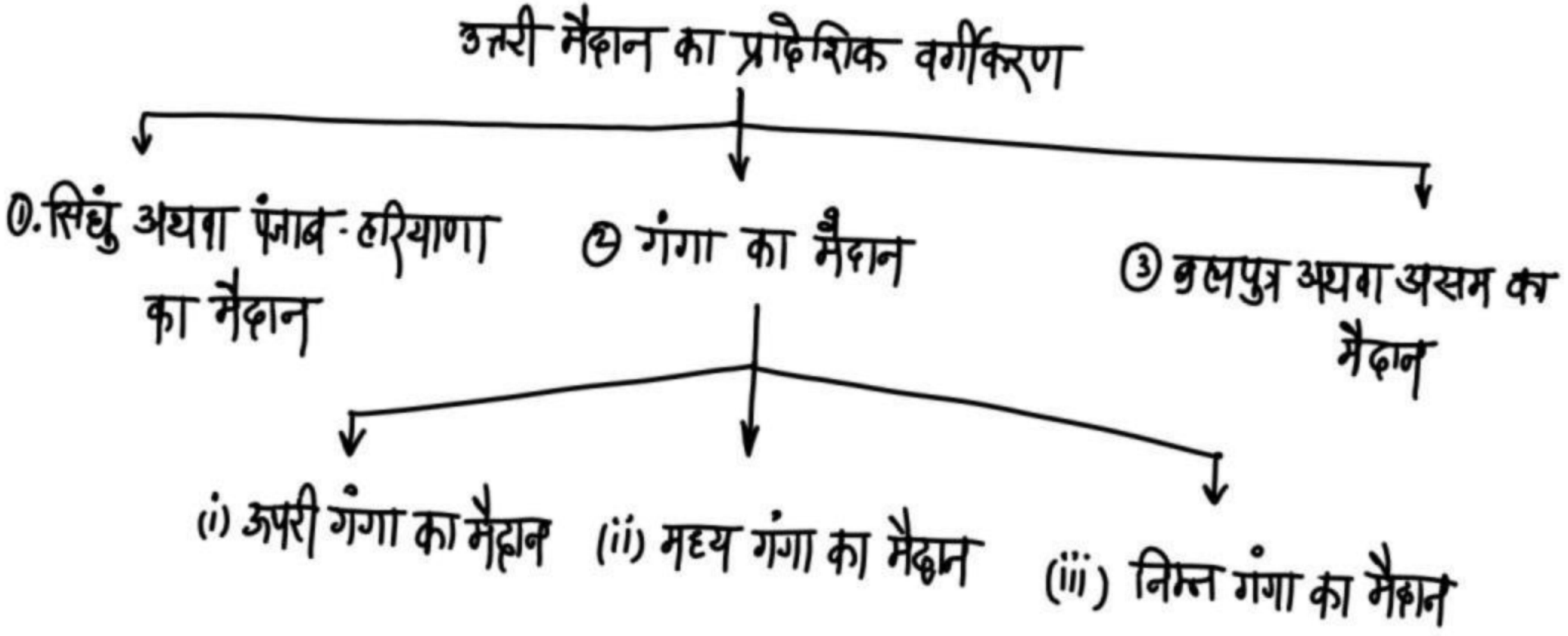

उत्तरी मैदान का प्रादेशिक वर्गीकरण

1. सिंधु अथवा पंजाब-हरियाणा का मैदान
2. गंगा का मैदान
   - (i) ऊपरी गंगा का मैदान
   - (ii) मध्य गंगा का मैदान
   - (iii) निम्न गंगा का मैदान
3. ब्रह्मपुत्र अथवा असम का मैदान

① पंजाब हरियाणा का मैदान – दोआब, चो, धाणव बेट, मालवा मैदान, जिप्सी

दोआब → दो नदियों के मध्य उपजाऊ मैदान

चो → सतलज नदी द्वारा अवनालिका अपरदन द्वारा निर्मित गड्ढेयुक्त भूमि को चो (Chos) कहा जाता है।

चो → सर्वाधिक होशियारपुर में मिलते हैं

सिंधु

सिंधु सागर दोआब (1).

झेलम

चाझ दोआब (2).

चिनाब

रचना दोआब (3).

रावी

बारी / ऊपरी दोआब (4).

ब्यास व्यास

बिस्त दोआब (5)

सतलज

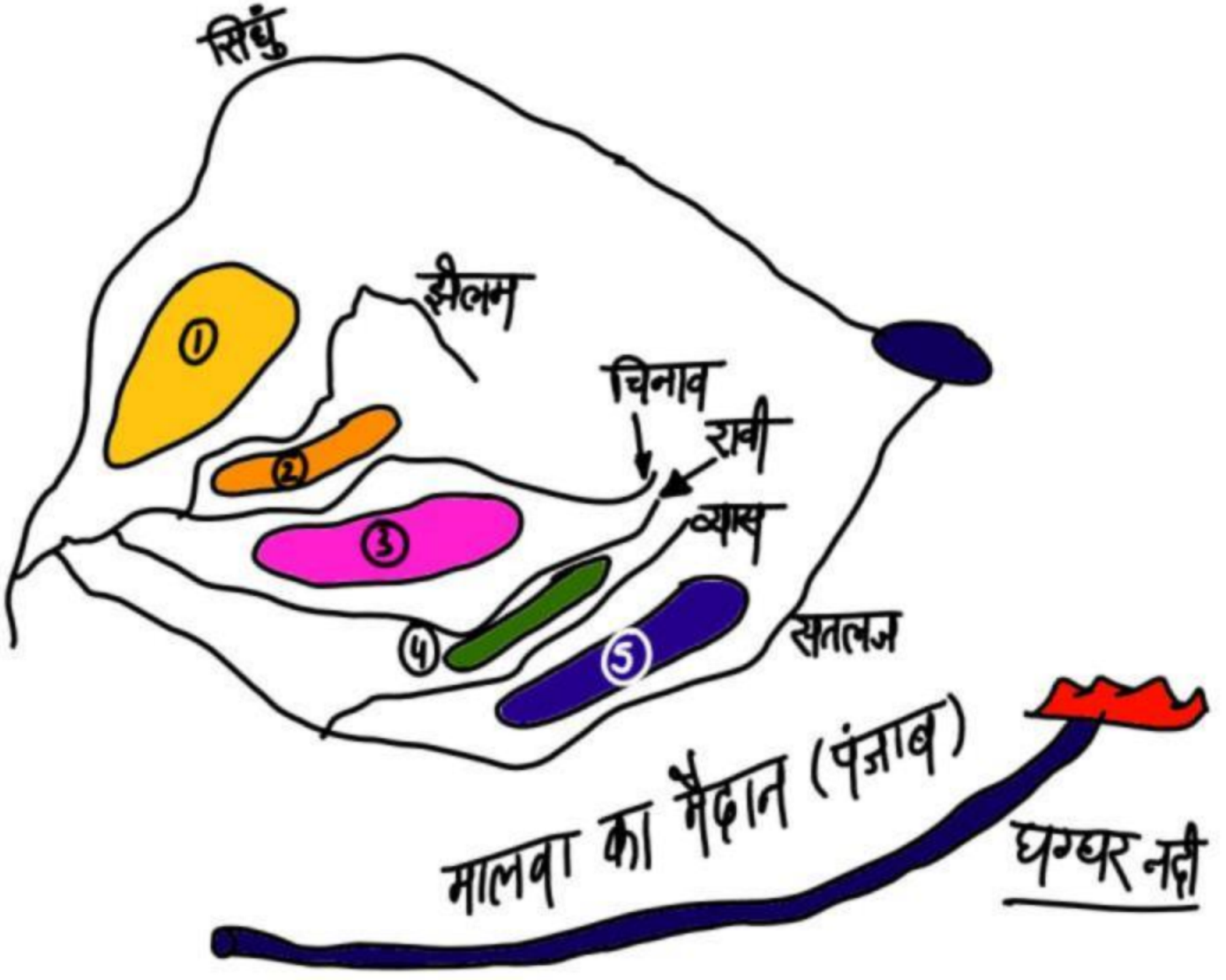

जिप्सी :- पंजाब के क्षेत्र में निवास करने वाली एक जनजाति थी, जो बाद में मध्य एशिया की ओर चले गये।

धाया व बेट :- पुरानी व नई गलोढ़ के मैदान को क्रमशः धाया व बेट कहा जाता हैं

② गंगा का मैदान :- उत्खात भूमि, भूड़ / भूर, कंकड़, विसर्पण, गोखुर झीलें, जल्वा व टाल, डेल्टा

✓ उत्खात भूमि स्थलाकृति (Bad land Topography) :- चंबल नदी द्वारा अवनालिका अपरदन के माध्यम से निर्मित गड्ढेयुक्त भूमि को ही उत्खात भूमि कहा जाता है तथा इस क्षेत्र में निर्मित जंगल बीहड़ कहलाते हैं।
(Ravines)

भूर / भूड :- पवनों का निक्षेपित रेत को भूर कहा जाता है।

कंकर / कंकड़ :- अशुद्ध कैल्सियम की गांठें / ग्रंथिया होती हैं

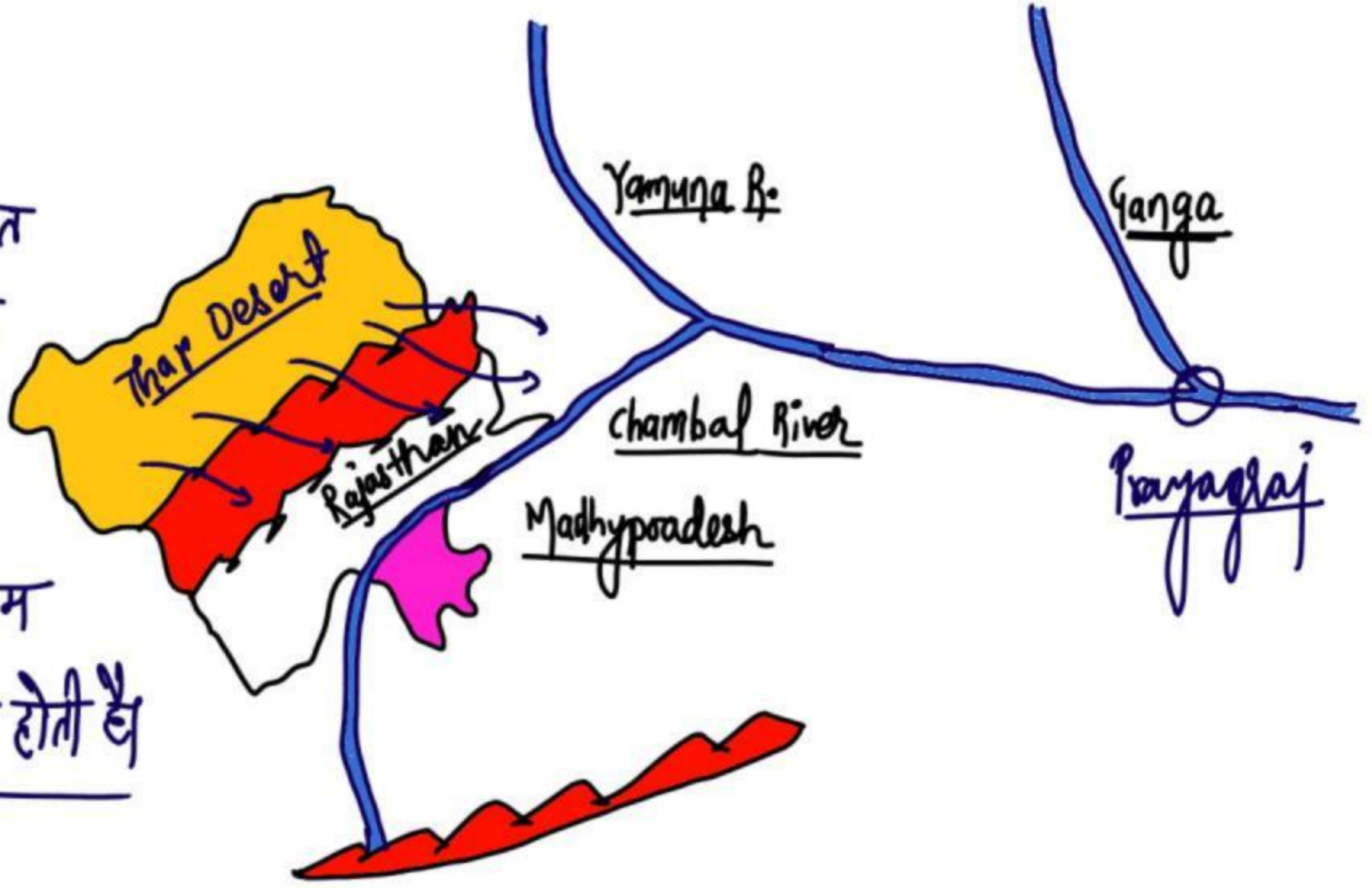

नदी विसर्पण → नदी का दाएं-बाएं मुड़कर सर्प के समान चलना

(River Meandering)

↓

कारण - बहाव क्षेत्र में अवसादों का जमा होना

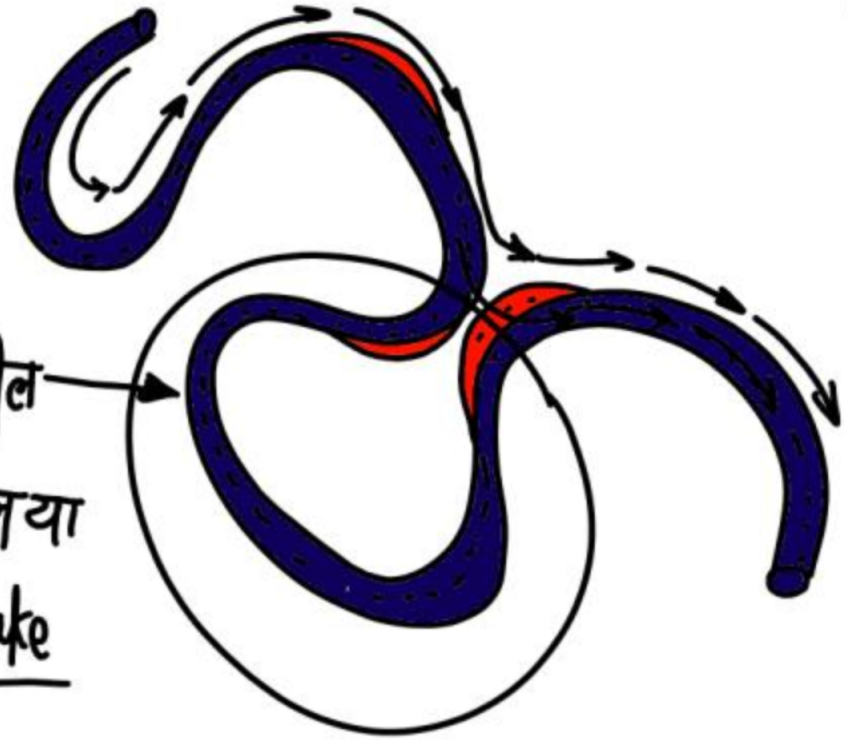

गोखुर झील या छाड़न झील या Oxbow Lake

Note :- बेगुसराय (बिहार) में स्थित कांवर झील भारत की सबसे बड़ी गोखुर झील है, जो कि बूढ़ी गंडक नदी द्वारा निर्मित है।

इतिहास का पिता

हेरोडोट्स द्वारा नील नदी के मुहाने हेतु डेल्टा शब्द का प्रयोग किया गया।

* डेल्टा Delta – नदियां मुहाने पर अवसाद का निक्षेपण कर छोटी- छोटी धाराओं में विभक्त हो जाती है, जिसे ही डेल्टा कहा जाता हैं।
  - → डेल्टा में जलमग्न भाग को बील तथा द्वीपीय भागों को चार कहा जाता है।
  - → पिश्व का सबसे बडा डेल्टा- सुंदरवन

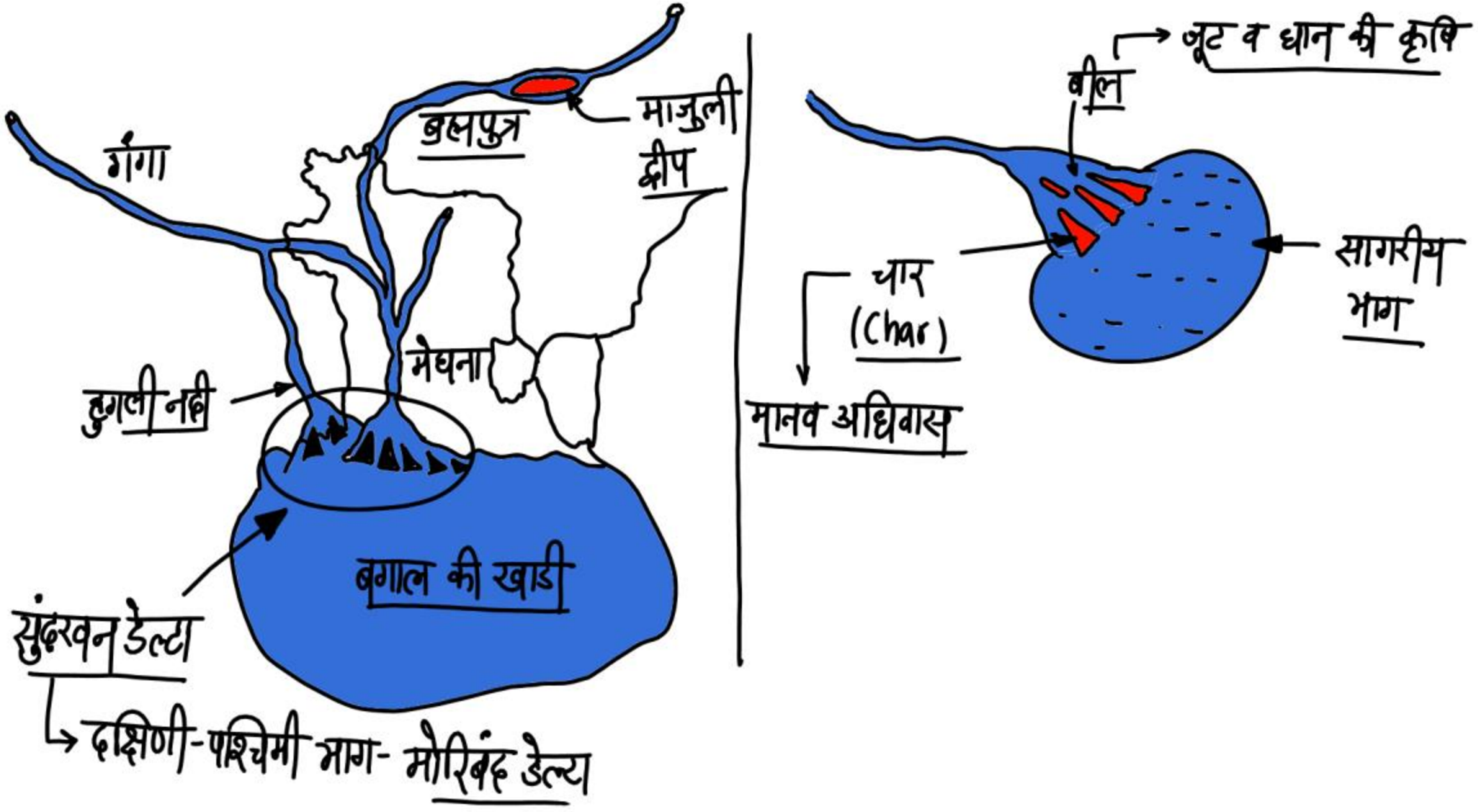
गंगा
ब्रह्मपुत्र
माजुली द्वीप
मेघना
हुगली नदी
बंगाल की खाड़ी
सुंदरवन डेल्टा
दक्षिणी-पश्चिमी भाग- मौरिबंद डेल्टा
जूट व धान की कृषि
बील
चार (Char)
मानव अधिवास
सागरीय भाग

सुंदरवन डेल्टा - रॉयल बंगाल टाइगर (तैरने वाले बाघ)

- 1987 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल।
- वृद्धिमान डेल्टा का उदाहरण
- BSR भी है

असम मैदान :- बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है।

- इस भाग में पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस के विशाल भंडार मिलते हैं।
- इस भाग में स्थित माजुली विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप है।
  - देश का पहला नदी द्वीपीय जिला
  - असम राज्य का सांस्कृतिक केंद्र

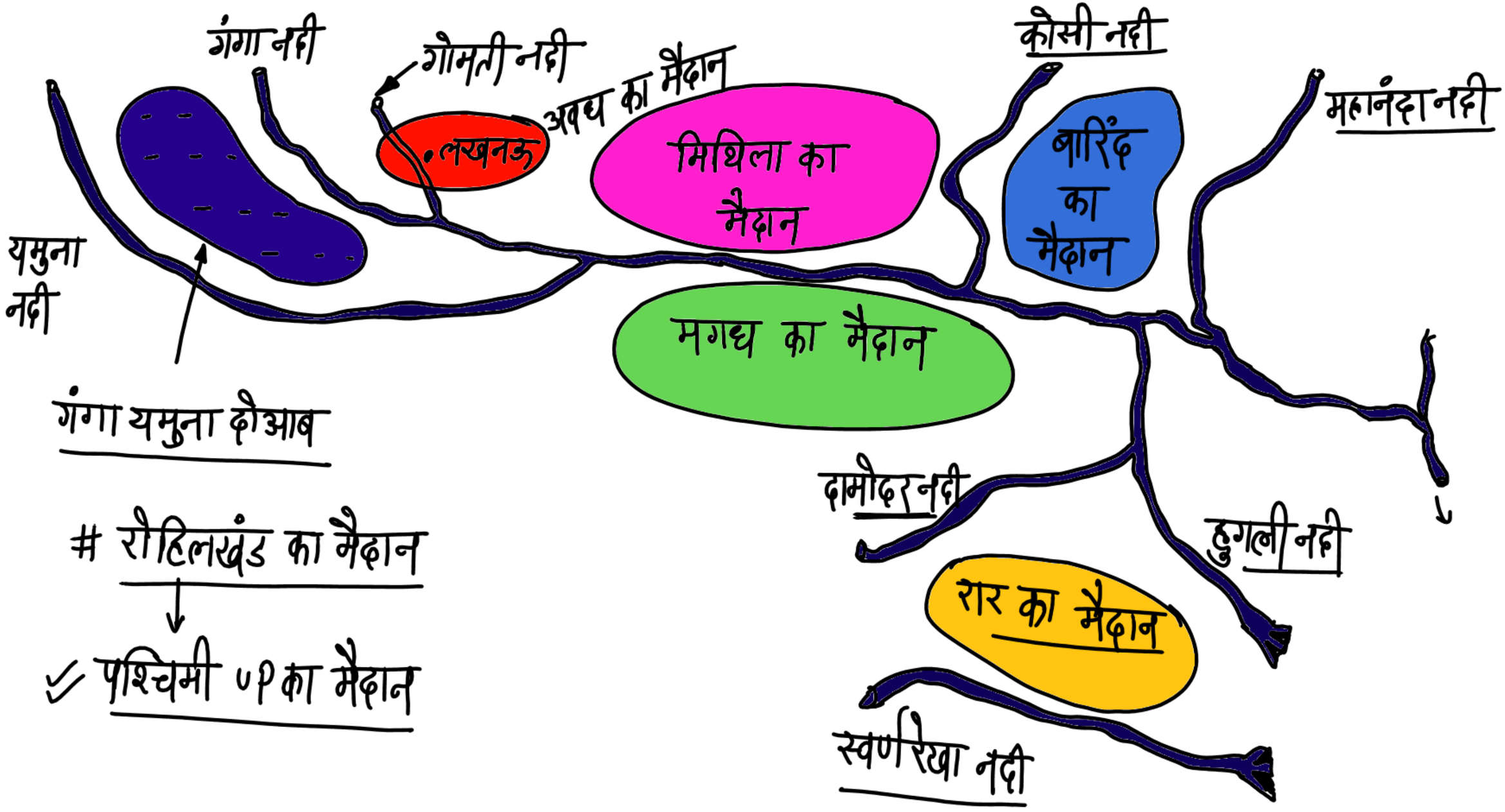

रोहिलखंड का मैदान

↓

✓ पश्चिमी UP का मैदान

* हिमालय 5 लाख Km^2 व उत्तरी मैदान लगभग 7 लाख Km^2 क्षेत्रफल पर विस्तृत है।

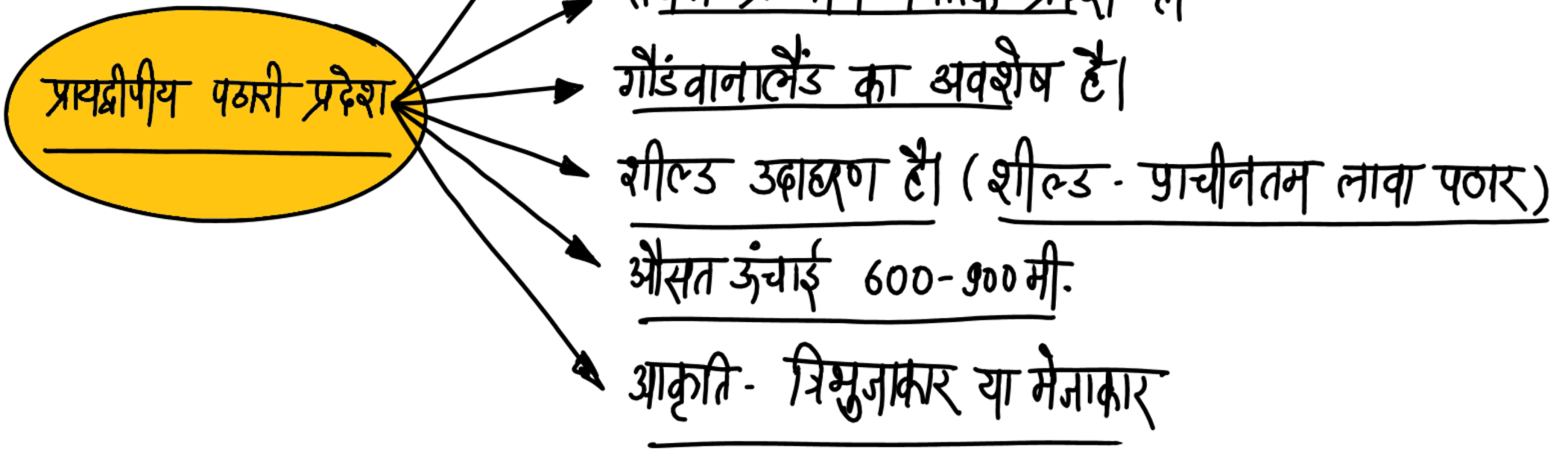

प्रायद्वीपीय भारत

1. मध्यवर्ती उच्च भूमि
2. दक्कन का पठार
3. कर्बी-एनलोंग का पठार

① मध्यवर्ती उच्च भूमि :-

↓

औसत ऊंचाई 700 से 1000 मी.

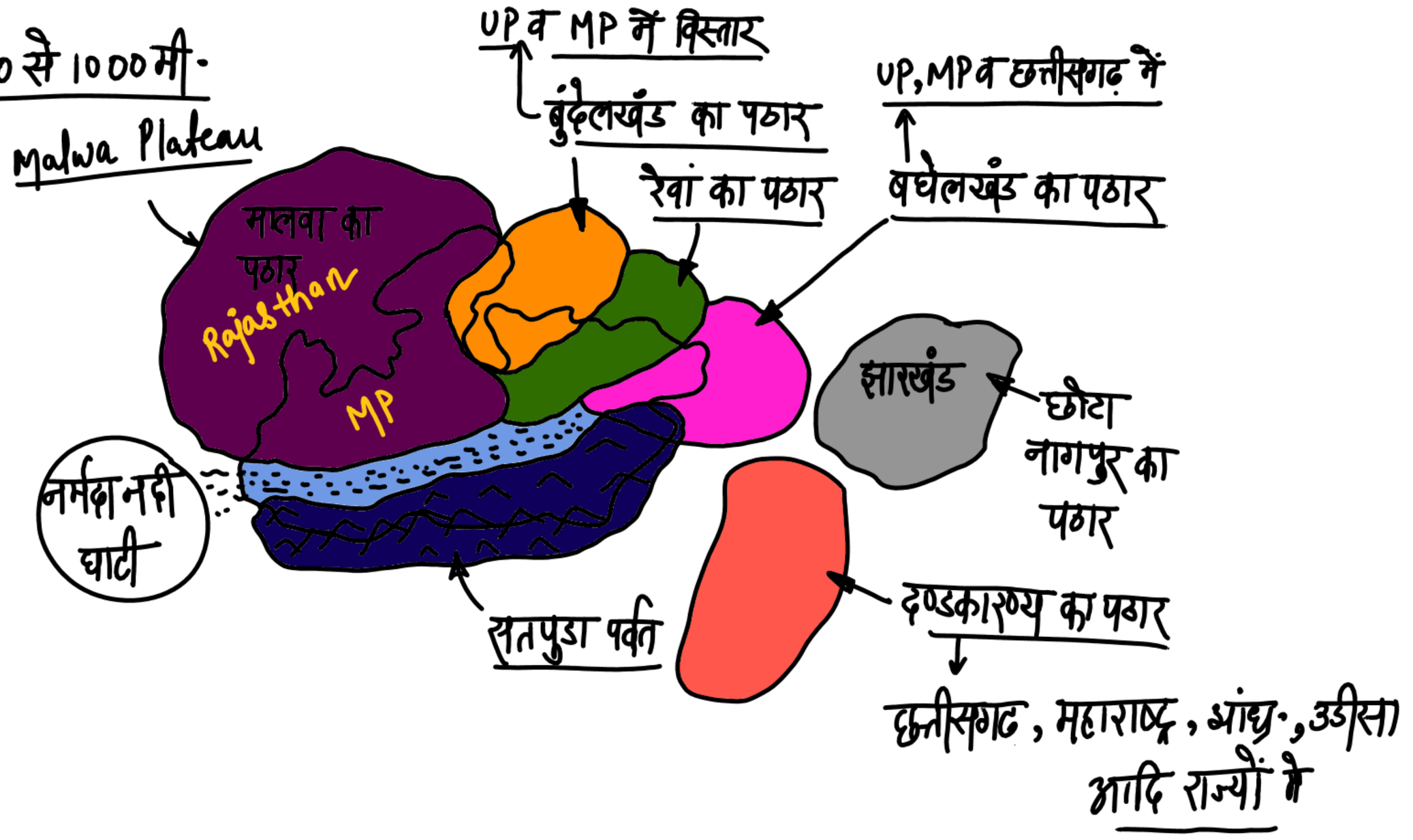

मालवा का पठार :- Rajasthan व MP में विस्तृत है, जिसका निर्माण क्रिटेशियस काल में लावा जमाव से हुआ है।

- इसे राज॰ में हाड़ौती पठार कहा जाता है।
- यहां लावा चट्टानों के अपक्षयित (weathering) होने से काली मृदा का विकास हुआ है।